# ☀ छंद शास्त्र - पिङ्गल ☀

→ जिस शास्त्र में पद्य रचना के नियम बताए जाए है, उसे छंदशास्त्र कहा जाता है।

✡ छंद शास्त्र का प्रथम प्रणेता आचार्य पिङ्गल है।
पाणिनी के भ्राता

✡ छन्दस् का शाब्दिक अर्थ - आच्छादन (ढ़कना)

> वेद के छः अंगों में छंद को पाद (पैर) कहा गया है।
☀ (छंदः पादौ तु वेदस्य)

> आच्छादित करने के कारण छंद कहा जाता है।
☀ छंदांसि छादनात्

> छंद का अपर नाम - वृत्ति

> छंद शास्त्र में कुल 8 अध्याय होते हैं।

> अच्छादने - ढ़कने का कार्य करता है

किसे :- पद्य के भाव तथा रस

Teacher's Signature..........

छंद शब्द का अर्थ - समूह

Date
Page

(रस का तात्पर्य - आनंद (से))
ढकने का कार्य करता है।

छांद = आह्लादयति इति छंद
आत्मिक आनंद

छंदशास्त्र के प्रसिद्ध आचार्य और उनके ग्रंथ :-
~~* प्रमुख छन्दशास्त्रीय ग्रन्थ~~

| आचार्य | ग्रंथ | समय |
|---|---|---|
| जयकीर्ति | छंदोऽनुशासनम् | |
| गंगादास | छंदो मञ्जरी | |
| केसूरभट्ट | वृत्तरत्नाकर | |
| कालिदास | श्रुतबोध | |
| आचार्य पिंगल | छंदसूत्रम् | |
| क्षेमेन्द्र | सुवृततिलक | |

> किसी भी कवि के छंद के बारे में प्रिय बताए है :- क्षेमेन्द्र ने अपने ग्रंथ सुवृततिलक में कालिदास के मंदाक्रांत छंद तथा अन्य कवियो के छंद को प्रिय बताए है।

## छंद-मात्राज्ञानम्

मात्रा :- वर्ण के उच्चारण में जो समय लगता है उस समय को मात्रा कहा जाता है।

Teacher's Signature.....

Date
Page

मात्रा

| ह्रस्व | दीर्घ |
| --- | --- |
| • उच्चारण में एक मात्रा का समय लगे → 'I' के चिन्ह | • उच्चारण में दो मात्रा का समय लगे → 'S' के चिन्ह |
| • ह्रस्व मात्रा युक्त वर्ण (लघु 'I') | • दीर्घ मात्रा युक्त वर्ण (गुरु 'S') |
| • ह्रस्व मात्रा को एक गिनते हैं। | • दीर्घ मात्रा को दो गिनते हैं। |
| | • गुरु वर्ण को एक गिनते हैं |
| • अ इ उ ऋ लृ<br>I I I I I | आ ई ऊ ॠ ए ऐ ओ औ<br>S S S S S S S S |
| • मात्रा - एक, वर्ण - एक | • मात्रा दो, वर्ण - एक |

* छंद - लघुगुरु सिद्धांत

संयुक्ताद्यं दीर्घं सानुस्वारं विसर्गसम्मिश्रम
विज्ञेयमक्षरं गुरु पादान्तस्थं विकल्पेन ।।

Teacher's Signature